



शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ्य से परेशान हैं ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ऑलर्जिक राईनैटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस
 * इंसिनाइटिस * ब्रॉन्काइटिस * कोरुपुलमोनल (काईजल)
 Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोज/ पुरुष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपुर का भव्य शौल्स महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपुर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

कश्मीर से गुजरात तक, बारिश ही बारिश

जम्मू.

कश्मीर से लेकर गुजरात तक कहीं बारिश मन को लुभा रही है तो कहीं डरा रही है. राजस्थान के विशेषकर पूर्वी भागों में मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और बोते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में हुई. राज्य के कई जिलों में अब भी गर्मी का सिमर जारी है और मंगलवार दिन में सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह जारी रहने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की पूरी संभावना है. जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हुई बारिश के कारण जलस्तर अचानक बढ़ जाने के बाद तवी नदी में फंसे नौ लोगों को बुधवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों के संयुक्त अभियान में

बचा लिया गया. अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा, जबकि राजौरी जिले में एक नदी के उफान पर होने से कुछ वाहन भी बह गए. केरल के वायनाड के मुंडक्कई-चूरलमाला क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के कारण फिर से बाढ़ और भूस्खलन की आशंका पैदा हो गई है, जबकि ठीक एक साल पहले यहां भीषण भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी.

जिला अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि चूरलमाला नदी उफान पर है और कीचड़ युक्त पानी तेजी से बह रहा है तथा बेली ब्रिज के पास नदी के तटीय क्षेत्रों में कटाव हो रहा है. नदी के दोनों किनारों पर मरम्मत कार्य के लिए जमा की गई मिट्टी बह गई है, जिससे अट्टमाला रोड और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया है.

'मेरे कंधे पर मेरा तिरंगा', अंतरिक्ष के रास्ते से शुभांशु शुक्ला का पहला संदेश

नई दिल्ली.

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और 3 अन्य यात्रियों को लेकर एक्सओम-4 मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के लिए रवाना हो चुका है. इस मिशन को बुधवार दोपहर 12:01 मिनट पर लॉन्च किया गया. इस मिशन में शुभांशु के अलावा अन्य 3 लोग भी मौजूद हैं, जो 28 घंटे की यात्रा के बाद भारतीय समर्थानुसार गुरुवार शाम साढ़े चार बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचेंगे.

उड़ान भरने के साथ ही शुभांशु शुक्ला का पहला मैसेज सामने आया है. स्पेसक्राफ्ट से पहला मैसेज भेजते हुए शुभांशु ने कहा कि नमस्कार मेरे प्यारे देशवासियों, 41 साल बाद हम फिर से अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं. इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से पृथ्वी के चारों ओर घूम रहे हैं. मेरे कंधे पर तिरंगा है, जो मुझे बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं, आप सभी मेरे साथ हैं.

उन्होंने आगे कहा "यह मेरी यात्रा अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की शुरुआत नहीं है, ये भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है. मैं चाहता हूँ कि आप सभी इस



सफ़र का हिस्सा बनें. आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए. आइए हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करें. जय हिंद! जय भारत!"

कई बार टली लॉन्चिंग : बुधवार दोपहर 12:01 मिनट पर आखिरकार एक्सओम-4 मिशन की लॉन्चिंग हो गई. इससे पहले कई अलग-अलग कारणों की वजह से एक्सओम-4 मिशन की लॉन्चिंग टली है. पहले से फिक्स शेड्यूल की बात करं तो 29 मई को प्रक्षेपित किया जाना था. हालांकि इसे उस समय टाल दिया गया बाद में 8 जून, 10 जून और 11 जून के लिए टालना पड़ा गया था. आखिरकार

लंबे इंतजार के बाद 24 जून को इसकी लॉन्चिंग की गई.

एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा लखनऊ में जन्मे शुक्ला, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) की अंतरिक्ष यात्री पूर्व मिशन कमांडर पैगी व्हिट्सन, हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिवोर कप् व पोलैंड के स्लावोज उज्जान्स्की-विस्नीव्स्की एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा हैं। कई बार यात्रा टलने के बाद एक्सओम-4 मिशन ने दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर उड़ान भरी। इसका दुनिया भर के लोगों ने स्वागत किया। वहीं शुक्ला के शहर

कब पहुंचेंगे और कितने समय तक अंतरिक्ष में रुकेंगे शुभांशु ? अंतरिक्ष में ये एक्सओम-4 का चौथा प्राइवेट मिशन है. ये नासा और स्पेस एक्स का संयुक्त मिशन है. इस स्पेस मिशन में 4 देशों के 4 एस्ट्रोनॉट शामिल हैं. ये देश हैं भारत, अमेरिका, पोलैंड, हंगरी जिनके एस्ट्रोनॉट मिशन में शामिल हैं. चारों अंतरिक्ष यात्री 14 दिन स्पेस में रहने वाले हैं. शुभांशु और टीम का 28 घंटे की यात्रा के बाद भारतीय समर्थानुसार गुरुवार शाम साढ़े चार बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने का अनुमान है.

मेरे प्यारे देशवासियों... नमस्कार

ड्रैगन अंतरिक्षयान में 10 मिनट की यात्रा के बाद कहा शुभांशु शुक्ला ने कहा कि नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों; 41 साल बाद हम अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं, यह यादगार यात्रा है। हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से धरती का चक्कर काट रहे हैं, मेरे कंधों पर भारत का तिरंगा लगा है। उन्होंने आगे कहा कि तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूँ और यह सिर्फ आईएसएस तक की मेरी यात्रा की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की भी शुरुआत है। मैं चाहता हूँ कि आप सभी मेरी यात्रा का हिस्सा बनें, आइये, हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं।

लखनऊ स्थित 'सिटी मॉटेसरी स्कूल' में उनके माता पिता इस ऐतिहासिक उड़ान के गवाह बने।

यह मिशन से कहीं बढ़कर : एयरफोर्स इससे पहले भारतीय वायुसेना ने ड्रोट किया कि आसमान को जीतने से लेकर सितारों को छूने तक - भारतीय वायुसेना के वायु योद्धा की अदम्य भावना से प्रेरित एक यात्रा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक

ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए, जो राष्ट्र के गौरव को पृथ्वी से परे ले जाएगा। यह भारत के लिए एक ऐसा क्षण है, जो स्ववाइन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद आया है, जिन्होंने पहली बार हमारे तिरों को पृथ्वी से परे ले जाया था। यह एक मिशन से कहीं बढ़कर है, यह भारत के निरंतर विस्तारित क्षितिज की पुष्टि है।

शिरडी के साई बाबा मंदिर में दर्शन को लेकर बदले नियम

शिरडी.

महाराष्ट्र के शिरडी में साई बाबा के दरबार में भक्तों की भीड़ रहती है. देश-विदेश से हर दिन हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं. साई संस्था ने इन भक्तों के लिए बड़ा फैसला लिया है. साई मंदिर में ब्रेक दर्शन की शुरुआत हो रही है, जिसका फायदा जनरल दर्शन लाइन में लगने वाले भक्तों को मिलेगा.

साई बाबा संस्थान ने फैसला लिया है कि भीड़ के बीच एक सही व्यवस्था बनाने के लिए ब्रेक दर्शन शुरू किया जाएगा. इसमें वीआईपी



और वीवीआईपी के लिए दर्शन की सुविधा का समय निर्धारित किया गया है. श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के वर्तमान सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) गोरक्ष गाडीलकर ने फैसले की जानकारी दी.

सीईओ गोरक्ष गाडीलकर ने कहा कि साई मंदिर में दर्शन करने वाले लोगों में वीआईपी और वीवीआईपी

भक्त भी रहते हैं. वीआईपी साई भक्तों के लिए भी दर्शन की व्यवस्था दिनभर रहती है. वीआईपी दर्शन के समय जनरल दर्शन वाले भक्तों की लाइन को रोकना पड़ा है. ये भक्त दो-तीन घंटे तक इंतजार करते रहते हैं, जिससे उन्हें दर्शन सही से नहीं हो पाते हैं. वीआईपी भक्त भी सही से दर्शन नहीं कर पाते हैं.

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया, "फिलहाल वीआईपी भक्तों के लिए 'ब्रेक दर्शन' की सुविधा शुरू करने का फैसला लिया गया है. सुबह 9 बजे से 10 बजे तक, दोपहर में ढाई बजे से साढ़े 3 बजे तक और रात को

वीआईपी के साथ आम भक्तों को भी मिलेगा फायदा

8 बजे से साढ़े 8 बजे तक वीआईपी भक्त दर्शन कर सकेंगे. जनरल दर्शन लाइन इस दौरान जारी रहेंगी." उन्होंने बताया कि वीवीआईपी और दान करने वाले भक्तों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है. इन भक्तों को 'ब्रेक दर्शन' से छूट रहेगी. गोरक्ष गाडीलकर ने कहा कि भक्तों की मांग थी कि जनरल दर्शन लाइन में 2-3 घंटे इंतजार करते हैं और फिर भी दर्शन सही से नहीं होते हैं. ये नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि 'ब्रेक दर्शन' के फैसले से जनरल लाइन में लगने वाले और वीआईपी भक्तों को भी फायदा मिलेगा.

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय

नई दिल्ली. आपातकाल को 50 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस दौर को याद करते हुए एक्स पर पोस्ट लिखा, "आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया।" प्रधानमंत्री ने कहा, "हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया।

अरविंद केजरीवाल की भविष्यवाणी, पिछली बार पंजाब में 92 सीटें आई थीं

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उपचुनावों में मिली जीत के बाद पंजाब और गुजरात के पार्टी नेताओं से बुधवार (25 जून) को मुलाकात की. उन्होंने लुधियाना वेस्ट उपचुनाव

में जीते संजीव अरोड़ा को विधायक बनने की बधाई दी. पंजाब के सीएम भगवंत मान को भी इस जीत के लिए बधाई दी. साथ ही उन्होंने 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव पर बड़ा बयान दिया. अरविंद

केजरीवाल ने कहा, "दो साल के बाद पंजाब का चुनाव है. तीन साल हो गए पंजाब में सरकार चलाते हुए. अवसर कहा जाता है कि तीन साल सरकार चलाने के बाद एंटी इनकेबेसी आ जाती है.

लेकिन जिस मार्जिन से संजीव अरोड़ा जीते हैं मानो वो प्रो इनकेबेसी है. लोग पिछली बार से ज्यादा समर्थन देने जा रहे हैं. मैं मान साहब को बहुत बहुत बधाई देना चाहता हूँ जिस तरह से पंजाब की सरकार काम कर रही है.

हल्द्वानी में अनियंत्रित होकर नहर में गिरी कार, 4 की मौत

हल्द्वानी.

उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के दौरान एक अनियंत्रित कार के नहर में गिरने से एक नवजात शिशु समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय हुआ, जब उधमसिंह नगर जिले के किच्छा थानाक्षेत्र के बरा गांव का रहने वाला एक परिवार चार दिन पहले जन्मे बच्चे को लेकर हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल

से कार में सवार होकर घर लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक, कार रास्ते में दमकल विभाग के पास अनियंत्रित होकर एक नहर में जा गिरी। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। पुलिस के मुताबिक, हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी, जिनमें नवजात शिशु के अलावा उसके पिता राकेश (32), नानी कमला देवी (50) और बच्ची की ताई नीतू (36) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि नवजात की मां रमा (27) दुर्घटना में घायल हो गयी है

जबकि अन्य घायलों की पहचान नीतू के पति रमेश (39) और कार चालक श्यामलाल (40) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों को सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में दुर्घटना का कारण कार की तेज गति और चालक का वाहन पर से नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

12 दिनों की जंग में ईरान के 610 और इजरायल के 28 लोगों की गई जान

तेहरान.

ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन चले जबरदस्त संघर्ष के बाद, अब यरशलम की फिजा में शांति और राहत का माहौल है. इस ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण शहर में, भले ही सीधे मिसाइल हमले नहीं हुए लेकिन आसमान में मिसाइलों की हलचल और गिरता मलबा यहां के लोगों को असहज जरूर कर गया. आम लोगों से बात की जिन्होंने बताया कि शहर में भले ही सीधे निशाना नहीं बनाया गया, लेकिन मिसाइलों का मलबा जमीन पर गिरा और लोग आसमान में मिसाइलें और उनके इंटरसेप्टर्स को साफ देख पा रहे थे.

ईरान ने पहले साफ कर दिया था कि यरशलम पर हमला नहीं करेंगे ! : शिवानी शर्मा ने यरशलम के निवासी केन से बातचीत की. केन ने



बताया, "ईरानी सरकार ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह यरशलम को निशाना नहीं बनाएंगे, क्योंकि यहां एक वर्ग किलोमीटर में यहूदी, ईसाई और इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र स्थल स्थित हैं. इसी क्षेत्र को होली बेसिन कहा जाता है जिसमें माउंट ऑफ ऑलिव्स, माउंट मोरियाह (जहां अल-अक्सा मस्जिद है) और माउंट सायन जैसे महत्वपूर्ण स्थल आते हैं." केन ने यह भी बताया कि इजरायल का भूगोल समझना जरूरी है, जो सिर्फ 50 किलोमीटर चौड़ा है. इसलिए ईरान से दानी गई मिसाइलें यरशलम के ऊपर से होकर

लोग यहां शांति चाहते हैं, ना कि युद्ध !

केन ने कहा, "यरशलम का मतलब ही है - शांति और पूर्णता. लोग यहां शांति चाहते हैं, ना कि युद्ध. ये संघर्ष हमारे जैसे नागरिकों का नहीं, बल्कि उन ताकतों का है जो हजारों किलोमीटर दूर बैठकर यरशलम को हथियार बना लेते हैं." शिवानी शर्मा ने बताया कि अब यरशलम की गलियों में चर्च की चींटियां गुंज रही हैं, मस्जिदों से अजान की आवाजें आ रही हैं और यहूदी प्रार्थनाएं भी हो रही हैं. यह विविधता ही इस शहर को खास बनाती है. कार्यक्रम के अंत में केन ने भारत के लिए स्नेह और शुभकामनाएं भेजते हुए कहा, "इजरायल भारत से गहरा प्रेम करता है.

गुजरीं. कई बार उनके मलबे यरशलम में गिरे, एक मलबा तो खुद केन के पास कुछ मीटर की दूरी पर गिरा.

राजर्षी छत्रपती २६ जून

शाहू महाराज

थोर कल्याणकारी लोकराजाला जयंतीनिमित्त मानाचा मुजरा!

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री

अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

www.mahasamvad.in

MaharashtraDGIPR

MahaDGIPR

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महााष्ट्र शासन



ग्रामीण क्षेत्रों में चरवाहों की कमी

सिंदेवाही.

पर्यावरण की देखभाल के लिए सरकारी स्तर पर काफी प्रयास किए जा रहे हैं। खास तौर पर पेड़-पौधे लगाने और नदी-नालों में पानी रोककर उसे मिट्टी में रखने के लिए कई सालों से प्रयास किए जा रहे हैं। पहले गर्मी में तापमान पर ज्यादा जोर रहता था। मानसून के मौसम में बारिश ज्यादा होती थी। सर्दियों में काफी ठंड पड़ती थी। हालांकि, मौसम पर पहले जैसा ऋतुओं का असर नहीं दिख रहा है। सबकुछ अस्त-व्यस्त हो गया है। किसी भी मौसम में अलग-अलग मौसम परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। अवांछित बीमारियों ने धरती पर रहने वाले जीवों को प्रभावित किया है। अगर हम बीस साल पहले के ग्रामीण इलाकों की यादों को ताजा करें तो पाएंगे कि कुछ चीजें पर्यावरण के लिए जरूर फायदेमंद हैं। ग्रामीण इलाकों में किसानों के पास पशुधन हुआ करता था। इनमें गाय, बकरी, भेड़, बैल, भैंस जैसे पालतू पशु हर किसान के खेतों और घरों में देखे जा सकते थे। लेकिन आधुनिक समय में मनुष्य की आवश्यकताएं पहले की तरह सीमित नहीं रहीं, बल्कि असीमित होती जा रही हैं और दिनोदिन बढ़ती जा रही

> पारिस्थितिक संतुलन को बड़ा झटका



हैं। इसी तरह मनुष्य आलसी होता जा रहा है। उसकी अपेक्षाएं शरीर को कमजोर करने के साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रही हैं। मशीनीकरण के युग में ग्रामीण क्षेत्रों में मशीनों का ढेर जमा हो गया है। कृषि के पूरक व्यवसाय के रूप में मुर्गी पालन, बकरी पालन और डेयरी फार्मिंग का चलन ज्यादातर परिवारों में कम हो गया है। इसके कारण अलग-अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए ग्रामीण क्षेत्र के किसी गांव, बस्ती या टोले को देखें तो सुबह 7 बजे के आसपास चरवाहा करीब 500-1000 पशुओं के झुंड को चराने के लिए जंगल में ले जाता था। पशुओं को जंगल में चराने के बाद

वह शाम करीब साढ़े पांच बजे गांव वापस लौटता था क्योंकि किसानों के पास अपने जानवरों को घर में शेड में रखने की जगह नहीं है। साथ ही जंगल में जंगली जानवरों के खतरे के कारण कोई भी जानवरों को चराने के लिए जंगल में ले जाने की हिम्मत नहीं करता। इसी तरह, जानवरों को घर में रखने और उन्हें खिलाने के लिए कोई अलग जगह नहीं है। उसमें भी, चरवाहे को पर्यावरण का सच्चा मित्र होने के बावजूद, संबंधित सरकारी विभाग द्वारा सम्मानित नहीं किया गया। इसका भविष्य में पर्यावरण और जीवित प्राणियों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। जमीन पर घास खाने वाले जानवरों की

नुकसान

- जंगल में भूमि पर खरपतवारों की वृद्धि के कारण ऊपर से गिरने वाली वर्षा और मिट्टी के बीच सहज संपर्क नहीं रह गया है।
- खेतों में जैविक खादों के उपयोग में कमी के कारण भूमि का जीवनकाल कम हो गया है।
- वन भूमि पर जैविक खादों की कमी के कारण वनों एवं वृक्षों की वृद्धि अवस्तब्ध हो गई है।
- समाज में गौपालकों को हीन दर्जा देकर उनकी उपेक्षा के कारण गौपालक आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।
- विभिन्न बीमारियों में वृद्धि, मशीनीकरण के कारण दुर्घटनाओं में वृद्धि, प्रदूषण में वृद्धि।
- स्पष्ट संभावना है कि अगली पीढ़ी का भविष्य खतरे में है।

लाभ

रासायनिक खादों के कारण मानवीय पीड़ा कम हुई है, आय बढ़ी है, जीवन की गुणवत्ता और रहन-सहन की स्थिति बदली है, समय की बचत हुई है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से चरवाहे उपलब्ध करने के उपाय करें।
- पशुओं के लिए चरने की जगह उपलब्ध कराएं। साथ ही पशुओं के रहने के लिए सुरक्षित स्थान बनाएं।
- चरवाहों को सरकारी पर्यावरण मित्र घोषित करना और समय रहते उनकी सेवा को मान्यता देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।

संख्या कम हो गई है। इसके कारण जैविक खाद का उपयोग कम हो गया है। पहले, जब से जानवरों को घर पर रखा गया था, गाय के गोबर का उपयोग "घरेलू खाद" के रूप में किया जाता था। इसलिए, किसान साल भर का गोबर गाँव के बाहर एक स्थान पर इकट्ठा करते थे और सीजन के दौरान

विधायक मुनगंटीवार की पहल से दूर होगा जलसंकट

> विधायक निधि के तहत 19 हैडपंप के लिए 34.37 लाख की स्वीकृति
> बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत

चंद्रपुर, सुनील तायडे

जल जीवन का मूल आधार है, बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के गांवों में पानी के लिए नागरिकों का चल रहा संघर्ष आखिरकार थमने वाला है। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार की पहल पर एक बड़ा राहत भरा फैसला लिया गया है। विधायक निधि से 34.37 लाख रुपये की प्रशासकीय मंजूरी प्राप्त कर 19 स्थानों पर हैडपंप लगाने का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले से कई गांवों में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान हो जाएगा। बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र में 21 स्थानों पर हैडपंप और सोलर पंप लगाने के लिए 71.62 लाख रुपये की प्रशासकीय मंजूरी पहले ही मिल



चुकी थी और अब 34.37 लाख रुपये की प्रशासकीय मंजूरी मिलने से मूल, बल्लारपुर, पोंभूर्णा और चंद्रपुर तालुका के कई गांवों के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। विधायक सुधीर मुनगंटीवार की लगातार अनुवर्ती और ठोस पहल के कारण प्रशासनिक स्वीकृति मिली है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। भीषण गर्मी के कारण पानी की बढ़ती आवश्यकता

को समझते हुए विधायक मुनगंटीवार ने बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में हैडपंप और सोलर पंप लगाने की अवधारणा को आगे बढ़ाया। इस मंजूरी के तहत बल्लारपुर तालुका के कवड़जई में कल्लिस्तान के पास, बल्लारपुर में सरदार पटेल वार्ड, कवड़जई हेटी, पोंभूर्णा तालुका के मौजा आष्टा में जिला परिषद स्कूल के पास, चकथानेवासना में राजू उपासे के घर के पास, सातारा भोसले में मूल तालुका के कोंसबी में हनुमान मंदिर के पास, चित्तौगांव, चिमघा, नवेगांव भुजुल, नांदगांव, फिसकुटी, भादुर्नी, मरोड़ा, राजोली और सुशी डावगांव में हैडपंप लगाने का काम किया जाएगा। इन 19 कामों के लिए कुल 34.37 लाख की प्रशासकीय मंजूरी दी गई है।

रामनगर को रहमतनगर लिखने वाले गढ़चिरोली नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद का आंदोलन, कार्रवाई की मांग

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली शहर के रामनगर वार्ड का नाम अचानक रहमतनगर रखे जाने से नागरिकों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। रामनगर निवासी एक व्यक्ति ने जब घर का टैक्स भरा, तो दस्तावेज में वार्ड का नाम रहमतनगर लिखा हुआ मिला। यह मामला सामने आते ही इलाके में हड़कें मच गयीं। इस नामकरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर नाम बदलने की प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। गौरतलब है कि, जिला निर्माण के बाद रामनगर वार्ड अस्तित्व में आया था। प्रारंभ में यह क्षेत्र झाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ था, लेकिन समय के साथ यहां अतिक्रमण हुआ और एक बड़ी आबादी बस गई। इस वार्ड में ओबीसी, एससी, एसटी समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं, साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी यहां निवास करते हैं। वार्ड की स्थापना के बाद नगर पालिका के रिकॉर्ड में इसका नाम स्पष्ट रूप से रामनगर ही दर्ज था। इस घटना की पूरी जानकारी मिलने पर पाया गया है कि चार साल



पहले अमरावती के कोअर प्रोजेक्ट को गढ़चिरोली शहर में सेंवें करने का काम दिया गया था, लेकिन इस कंपनी को गढ़चिरोली नगर पालिका के किस अधिकारी या कर्मचारी द्वारा रामनगर को रहमतनगर लिखने के लिए बताया गया उसकी भी कड़ी जांच करते हुए दोषी व्यक्ति को तुरंत निलंबित करने की मांग आज इस आंदोलन में की गई।

लेकिन अब रहमतनगर नामकरण किए जाने पर लोग हैरान और नाराज हैं। इस बाबत शहर के हिंदूवादी संगठनों ने आंदोलन लेकर नगर पालिका की ओर रवाना होने पर पता चला कि इस आंदोलन की सुगबुगाहट नगर पालिका के मुख्य

अधिकारी को मिलते ही एक दिन पूर्व छुट्टी की अर्जी लगाकर अपने आप को आंदोलनकारियों के रोप से बचा लिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि, नामकरण की मांग किसने की, इसकी जानकारी ना तो उन्हें दी गई और ना ही किसी की राय ली गई। ऐसे में यह प्रक्रिया कैसे संपन्न हुई, यह एक बड़ा सवाल है।

नगर परिषद तत्काल सुधारे गलती, कार्रवाई करें...

जब से गढ़चिरोली शहर बसा है, तब से जब से गढ़चिरोली शहर से लेकर पोटेगांव मार्ग का संपूर्ण क्षेत्र रामनगर के रूप में पहचाना जाता है। विशेषतः दस्तावेजों में रामनगर वार्ड का उल्लेख है। और रामनगर से वार्ड

के नागरिकों की भावनाएं जुड़ी है। ऐसे में अचानक वार्ड का नाम बदल देना गलत है। यदि किसी वार्ड अथवा चौक का नाम बदलना है तो, पहले नगर परिषद द्वारा प्रस्ताव पारित करना आवश्यक होता है। अगर गलती हुई है तो, तत्काल सुधारे और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करें।

इस मौके पर प्रदर्शन कर रहे लोगों में विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष सुशील हिं, रमेश भुरसे, रामनगर निवासी तथा भाजपा किसान सभा के अध्यक्ष रमेश भूरसे, शिवसेना शिंदे गुट के जिला संपर्क प्रमुख हेमंत जयवेवार सहित सैकड़ों हिन्दू धर्म को मानने वाले लोगो ने इस निर्णय

शीघ्र सुधारी जाएगी गलती...

रामनगर वार्ड का नामकरण 'रहमतनगर' के रूप में नगरपालिका प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है। कुछ लोगों ने अपने दस्तावेजों पर इस तरह का उल्लेख किया है। संभवतः इसी कारण से घर टेक्स की रसीद पर वह नाम दर्ज हो गया होगा। यह त्रुटि शीघ्र ही सुधारी जाएगी और सभी दस्तावेजों में पूर्ववत 'रामनगर' नाम ही उल्लेखित किया जाएगा।

- सूर्यकांत पिद्वरकर, मुख्यधिकारी, नय गडचिरोली

को जनविरोधी बताते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिव की दहाड़ के साथ बच्चों का स्कूल में पहला कदम

चंद्रपुर.

'महाराज, राजनीतिक तानाशाह, प्रथम प्रताप पुरंदर, सिंहासनाधीश्वर, महाराजाधिराज, राजा शिव छत्रपति महाराज, जय हो... जय हो... जय हो...' ऊंची आवाज में कक्षा 7 की छात्रा कार्तिकी मुंगले ने शिव गर्जना की और छात्रों ने स्कूल में अपना पहला कदम रखा। दाताला स्थित पी.एम.श्री जिला परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय में जिला कलेक्टर विनय गौड़ा जी.सी. की उपस्थिति में विद्यार्थियों का प्रवेशोत्सव उत्सवी माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी (प्रा.) अश्विनी सोनावणे, दाताला की सरपंच सुनीता देशकर, शाला प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष सुमन दोनाडकर, शिक्षा विस्तार अधिकारी मनोज गौरकर, शाला की प्राचार्य लटोरी मोहितकर, शिक्षिका सुनीता पावडे, वंदना वनकर, अर्चना चित्तवार, शिक्षक राजू लोंजेकर, केसर चकोले सहित अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर विनय गौड़ा ने कहा, शैक्षणिक सत्र 2025-26 आज से शुरू हो गया है और आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण

विद्यार्थी विकसित होंगे तभी देश विकसित होगा : कलेक्टर विनय गौड़ा
दाताला जिला परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव मनाते छात्र



है। पहली बार स्कूल में कदम रखने का क्षण अविस्मरणीय होता है। इसका महत्व जीवन भर रहता है। शिक्षा स्वयं के साथ-साथ परिवार के विकास के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक और सर्वांगीण विकास में सहायक होती है। सभी को अच्छी शिक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। सरकार की मंशा है कि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। जिला परिषद स्कूलों को छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करनी चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा के इस युग में हमारे छात्र भी आगे रह सकें। आज के छात्र कल का भविष्य हैं। छात्रों का विकास होगा तो ही देश का

विकास होगा। जिला प्रशासन स्कूलों के विकास के लिए धन की कमी नहीं होने देगा। छात्रों, अच्छे से पढ़ाई करो, तभी तुम बड़े मुकाम पर पहुंचोगे, ऐसा जिला कलेक्टर विनय गौड़ा ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की अपील की। इस अवसर पर स्कूल के लिए प्राप्त स्मार्ट टीवी का जिला कलेक्टर द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन वंदना वनकर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राजू लोंजेकर ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र उपस्थित थे। महत्वपूर्ण क्षण: 1. सुसज्जित

TADOBA NATIONAL PARK
EXPERIENCE THE THRILL of Jungle

INR 4949/- PP
Min-06 Pax

Duration:
1N/2D in Tadoba

Meal Plan-
All meals (Breakfast, Lunch Dinner Hi Tea)

Including- Gypsy 1 Round
(Pick up drop Resort to Resort)
Gypsy Subject to Availability

© 8308378686 | 77220 24512 | domestic@btpyatra.com

www.btpyatra.com

T & C apply

कसौटी जिंदगी की स्नेहा अब ग्लैमरस लुक में

एकता कपूर का फेमस सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में अनुराग-प्रेरणा का रोल सुजैन खान और श्वेता तिवारी ने निभाया था. उनकी बेटी स्नेहा बासु के बचपन का रोल श्रेया शर्मा ने निभाया था, जो अब काफी बड़ी हो गई है. जब श्रेया ने 'कसौटी जिंदगी की' किया था तब वो महज 6 साल की थीं, लेकिन अब वो 28 साल की हो गई हैं.



श्रेया ने कसौटी के अलावा कई और सीरियल किए थे, लेकिन बड़ी होने पर इन्होंने मराठी फिल्मों से डेब्यू किया. श्रेया शर्मा ने हिंदी फिल्म 'चिल्लर पार्टी' (2011) में भी काम किया था. हिंदी और मराठी के अलावा वो तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. श्रेया को 'चिल्लर पार्टी' में बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड भी मिला है. इसके अलावा इन्हें स्टार परिवार अवार्ड में फेवरेट चाइल्ड आर्टिस्ट का अवार्ड भी मिला है. श्रेया को 'कसौटी जिंदगी की' में सबसे ज्यादा लोकप्रियता मिली थी. वो घर-घर में फेमस हो गई थीं. इसके बाद श्रेया को कई सीरियल में काम मिला, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी. श्रेया ने ग्रेजुएशन के बाद एलएलबी की पढ़ाई की और एडवोकेट के तौर पर अपना करियर बनाया, जिसकी प्रेक्टिस फिलहाल वो मुंबई की एक कोर्ट में कर रही हैं. 'चिल्लर पार्टी' के अलावा श्रेया ने 'लागा चुनरी में दाग', 'थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक' और 'नाम' जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है. श्रेया ने फिल्मों और सीरियल के अलावा ओटीटी के भी कुछ शो किए हैं.



शोएब-दीपिका के बेटे रुहान का बर्थडे सेलिब्रेशन

टीवी के पॉपुलर कपल में से एक शोएब इब्राहिम और दीपिका कक्कड़ ने घर पर अपने बेटे रुहान का बर्थडे सेलिब्रेट किया है. शोएब ने बर्थडे का एक क्लॉग वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया, जिसके जरिए उन्होंने दिखाया कि रुहान का बर्थडे किस तरह मनाया गया. रुहान का जन्म 21 जून 2023 को हुआ था. यानी रुहान दो साल का हो चुका है. इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि शोएब और उनकी फैमिली इस खास मौके पर काफी खुश नजर आ रही है. घर को अच्छे से डेकोरेट किया गया है. तस्वीरों में रुहान अपनी माँ के साथ केक कट कर रहा है. उसके बाद वो सभी को केक खिलाता है.



रुहान की तमाम फोटोज काफी प्यारी लग रही हैं. दीपिका भी बेटे पर प्यार लुटाती नजर आ रही हैं. शोएब ने खुलासा किया कि रुहान को वायरल बुखार था. तबीयत ठीक न होने की वजह से उन्होंने इस खास मौके पर छोटा से सेलिब्रेशन ही किया. हाल ही में शोएब ने भी अपना बर्थडे मनाया है. 20 जून को शोएब का बर्थडे था. उन्होंने बताया कि अपना बर्थडे

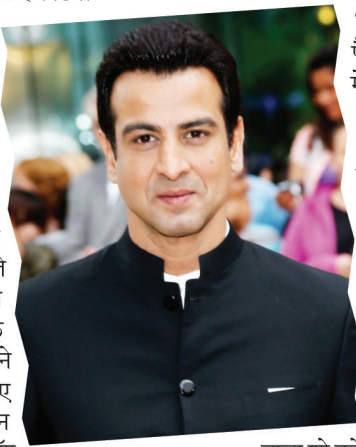
मनाने के बाद वो रुहाना की जन्मदिन की तैयारियों में जुट गए थे, लेकिन उसकी तबीयत ठीक नहीं थी. वो अच्छा महसूस नहीं कर रहा था. शोएब ने बताया कि तबीयत खराब होने की वजह से हमने उस टाइम उसका जन्मदिन नहीं मनाया और डेकोरेशन वैसे ही रहने दिया कि वो जब ठीक महसूस करेगा तो उस समय सिर्फ केक काट लेंगे.

‘सास भी कभी बहू थी 2’ रोनित रॉय ने किया रिजेक्ट

रोनित रॉय छोटे पदों की दुनिया का बड़ा नाम हैं. उन्होंने टीवी के साथ-साथ बड़े पदों पर भी काम किया है. उन्हें पिछले

थी' के नए सीजन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की. उन्होंने ये भी कहा कि ये शो उनके दिल के बेहद करीब है. रोनित रॉय ने कहा, मुझे खुशी है कि उन्होंने

कुछ सालों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में देखा गया है. रोनित भी पॉपुलर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का हिस्सा थे. अब इस शो का दूसरा सीजन दर्शकों के लिए लौट रहा है. जिसके चलते अंदाजा लगाया जा रहा था कि रोनित एक बार फिर से अपने करियर को निभाते हुए नजर आएंगे. लेकिन इन खबरों पर एक्टर ने फुल स्टॉप



लगा दिया है. उन्होंने साफ कहा कि वो इस शो को नहीं कर रहे हैं. रोनित रॉय ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू

थी' के नए सीजन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की. उन्होंने ये भी कहा कि ये शो उनके दिल के बेहद करीब है. रोनित रॉय ने कहा, मुझे खुशी है कि उन्होंने 'क्योंकि' को वापस लाने का फैसला किया और दुर्भाग्य से, यह मेरे लिए कारगर नहीं रहा. लेकिन निश्चित रूप से, 'क्योंकि' सास भी कभी बहू थी' एक ऐसा शो है जो मेरे दिल के बहुत करीब है. अपने समय को याद करते हुए रॉय ने बताया कि कैसे वह 8 साल तक शो का हिस्सा रहे और नए सीजन के लिए रोनित ने नए सीजन के लिए मेकर्स को बधाई भी दी. जब एक्टर से सवाल किया गया कि वह टीवी पर लंबे समय तक चलने

वाला शो करेंगे. इस पर जवाब देते हुए उन्होंने बताया, "मैं लंबे समय तक शो करने या लंबे समय तक टेलीविजन पर रहने के खिलाफ नहीं हूँ. हालाँकि, जैसा कि मैंने कहा, टेलीविजन पर अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है.

करीना का करिश्मा को इमोशनल विश

बीते दिनों बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की जिंदगी में तब तूफान आ गया. जब उनके एक्स हर्बैंड संजय कपूर की मौत हो गई. दरअसल 12 जून को बिजनेसमैन संजय कपूर अपने साथियों के साथ पोलो मैच खेल रहे थे और इस दौरान उनके मुँह में अंदर एक मधुमक्खी चली गई, जिसकी वजह से उन्हें दिल का दौरा पड़ गया और उनकी मौत हो गई. बता दें कि करिश्मा और संजय ने साल 2003 में शादी रचाई थी तो वहीं साल 2016 में दोनों का तलाक हो गया. संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं. आज यानी 25 जून को एक्ट्रेस अपना 51वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. इस मौके पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी करिश्मा को बधाइयां दे रहे हैं. वहीं करीना कपूर ने बेहद ही इमोशनल होकर बहन के लिए बर्थडे का पोस्ट लिखा है. एक्ट्रेस करीना कपूर ने अपनी बड़ी बहन करिश्मा को एक खास अंदाज में विश किया है. उन्होंने करिश्मा और सैफ अली खान की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें यह दोनों आंखों पर काला चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर को शेयर करते हुए करिश्मा कपूर ने अपने पोस्ट में लिखा, 'यह मेरी तुम दोनों की सबसे पसंदीदा तस्वीर है. यूनिवर्स की सबसे स्ट्रॉंग और बेस्ट गर्ल के लिए, हमारे लिए यह साल बहुत ही मुश्किल रहा.



ऐश्वर्या की कमी तारीफ नहीं करते अमिताभ

अमिताभ बच्चन शायद अकेले ऐसे स्टार हैं जो कि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। हर दिन वो किसी ना किसी तरह से ट्विटर पर कुछ ना कुछ पोस्ट करते हैं। बीते कुछ समय से बच्चन परिवार को लेकर खबरें आ रही थीं कि सब कुछ ठीक नहीं है। लेकिन अब अपनी पत्नी और बहू ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर



अमिताभ बच्चन ने एक राज खोला है। दरअसल अमिताभ बच्चन पब्लिकली कभी ऐश्वर्या राय बच्चन या फिर जया बच्चन की तारीफ नहीं करते हैं। वो हमेशा सिर्फ अपने बेटे अभिषेक के ही गुणगान करते हैं। बस इसी को लेकर विग बी से सवाल पूछा गया था कि वो ऐसा क्यों

करते हैं। इस सवाल को सुनकर अमिताभ बच्चन हैरान हो गए थे। सदी के महानायक से जब ये सवाल किया गया तो उन्होंने सीधे तौर पर बताया कि क्यों वो सबके सामने बहू और पत्नी की तारीफ नहीं करते हैं। उनका कहना था कि, 'हाँ मैं दिल से उनकी तारीफ करूँगा. सार्वजनिक रूप से नहीं. महिलाओं के प्रति सम्मान है यही कारण है कि वो

ऐसा नहीं करते हैं। सम्मान की बात कहकर अमिताभ बच्चन ने सबको चुप करवा दिया था। हालाँकि इसपर ये सवाल उठता है कि अमिताभ बच्चन अक्सर किसी ना किसी एक्ट्रेस के अभिनय से खुश होकर उनको बुके भेजते हैं और चिट्ठी भेजते हैं तो ये काम वो घर पे भी कर सकते हैं? हालाँकि अमिताभ बच्चन का अपना नजरिया है.

पुष्पा फेम फहाद के साथ दिखेंगी सीरत कपूर

इन दिनों साउथ इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली एक्ट्रेस सीरत कपूर का जलवा हर तरफ छाया हुआ है। अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'रन राजा रन' (2014) के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार पाने के बाद, सीरत कपूर लगातार सक्सेस की सीढ़ियां चढ़ रही हैं और अब टॉलीवुड के साथ-साथ बॉलीवुड में भी एक बार फिर से अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इंडस्ट्री के सुत्रों की मानें, तो सीरत कपूर को 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' फेम फहाद फासिल के साथ एक नए बॉलीवुड फिल्म में कास्ट किया गया है।



टैलेंटेड और टॉपर साउथ की 7 हीरोइनें

साई पल्लवी - रणवीर कपूर के साथ फिल्म रामायण में साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आने वाली हैं. उन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है. साई पल्लवी ने मेडिकल की पढ़ाई की है. लिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से उन्होंने अपनी मेडिकल की डिग्री हासिल की है. रश्मिका मंदाना - हिंदी सिनेमा में फिल्म एनिमल से डेब्यू करने के बाद अब उनका बॉलीवुड में भी दबदबा देखने को मिल रहा है. रश्मिका डबल ग्रेजुएट हैं. साउथ ही उन्होंने उन्होंने एमएस रमैया कॉलेज से साइकोलॉजी, जर्नलिज्म और इंग्लिश लिटरेचर में डिग्री ली है. तमन्ना भाटिया - हिंदी फिल्मों में अपने स्पेशल डांस नंबर के चलते तमन्ना भाटिया के खूब चर्चे हो रहे हैं. तमन्ना ने मानेकजी कूपर एजुकेशन ट्रस्ट स्कूल से अपनी स्कूल एजुकेशन पूरी की है. बाद में उन्होंने मुंबई के नेशनल कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली. समांथा रुथ प्रभु - समांथा अपनी निजी लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं. चेन्नई के होली एंजल्स एंग्लो इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल से उन्होंने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की है.

रामायण की सीता रियल लाइफ में हैं बहुत ग्लैमरस

टीवी पर अबतक कई 'रामायण' बनी हैं, हर बार नए राम-सीता भी आए. पर सफलता के मामले में कोई भी रामानंद सागर की 'रामायण' के आसपास भी नहीं है. टीवी पर दिखाई गई पहली 'रामायण' साल 1987 में आई थी. जिसमें अरुण गोविल ने भगवान राम, तो दीपिका चिखलिया ने माता सीता का किरदार निभाया था. रामानंद सागर की 'रामायण' का 25 जनवरी 1987 को दूरदर्शन पर प्रसारण शुरू हुआ था. इस शो से दर्शकों पर ऐसा असर पड़ा कि लोग राम-सीता का किरदार निभाने वाले एक्टरों को भगवान मानने लगे. श्रद्धा पूर्वक उनके आगे हाथ जोड़ते थे. जब शो आया था, तब दीपिका चिखलिया की उम्र महज साढ़े 15 साल थी. यूं तो दीपिका चिखलिया को माता सीता के किरदार से ही घर-घर खास



पहचान हासिल हुई. पर वो कई फिल्मों और शो में भी काम कर चुकी हैं. रामायण से पहले वो 'विक्रम और बेताल' का हिस्सा रह चुकी हैं. उनकी पहली फिल्म का नाम था-सुन मेरी लैला. इसके अलावा 'जो रूखे दस करोड़', 'घर का निराग' और 'खुदाई' के लिए भी जानी जाती हैं. 1965 में जन्मी दीपिका चिखलिया की उम्र 60 साल है. यूं तो एक्ट्रेस अब भी टीवी शो में काम करती नजर आती हैं. हालाँकि, कुछ वक्त पहले एक फिल्म में दिखाई थीं, जिसका नाम था- वीर मुरारबाजी. पर रामायण की सीता रियल लाइफ में काफी स्टाइलिश हैं. वो अक्सर एक से बढ़कर एक तस्वीरें शेयर करती हैं. दीपिका चिखलिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.5 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. एक्ट्रेस होने के साथ ही उनका प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसके जरिए तगड़ी कमाई करती हैं. यूं तो लोगों के दिल और दिमाग में दीपिका चिखलिया का रामायण वाला किरदार ही हावी रहा है. और लोग निराश न हो. इसलिए एक्टरों ने शो के बाद अपनी छवि वैसी ही बनाई रखी. पर उनका रियल लाइफ अंदाज भी कम चर्चा में नहीं रहता. लोग उन्हें काफी प्यार देते हैं.

विजय-तमन्ना अलग एक्टर का नया कनेक्शन वायरल

कुछ महीने पहले तक तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के प्यार के चर्चे हर तरफ हो रहे थे. कहा तो ये भी जा रहा था कि ये कपल जल्द ही शादी भी करेगा. लेकिन फिर खबर आई कि तमन्ना और विजय का ब्रेकअप हो गया है. किसी ने इस ब्रेकअप की वजह शादी बताई तो कुछ लोगों का कहना था कि विजय वर्मा फिलहाल अपना पूरा फोकस अपने करियर पर ही लगाना चाहते हैं. ब्रेकअप की खबरों के बाद से ही तमन्ना और विजय को एक साथ नहीं देखा गया है. वहीं अब ऐसा कहा जा रहा है कि एक्टर की लाइफ में नए प्यार ने दस्तक दे दी है. दरअसल सोशल मीडिया पर विजय वर्मा का एक वीडियो इन दिनों काफी वायरल हो



रहा है, जिसमें वो एक एक्ट्रेस के साथ नजर आ रहा है. इस वायरल क्लिप को देखने के बाद लोग ये अंदाजा लगा रहे हैं कि एक्टर एक बार फिर से रिश्ते में आ गए हैं. खबरों की मानें तो विजय दंगल गर्ल फातिमा सना शेख को डेट कर रहे हैं. वीडियो में एक्टर के साथ कोई और नहीं बल्कि फातिमा ही नजर आ रही हैं. वायरल वीडियो एक कैफे के बाहर का है.

टीम इंडिया की लीड्स में हार बर्मिंघम टेस्ट पर टिकी निगाहें गौतम गंभीर का बड़ा खुलासा: क्यों दो टेस्ट में नहीं खेलेंगे बुमराह



लंडन. टीम इंडिया ने लीड्स टेस्ट मैच 5 विकेट से गंवा दिया. अब उसकी नजर बर्मिंघम में वापसी करने पर रहने वाली है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा. इस अहम मुकाबले के लिए भारतीय टीम बुधवार को ही लीड्स से बर्मिंघम के लिए रवाना हो गई. लेकिन इस दौरान एक युवा खिलाड़ी ने टीम के

साथ टेवल नहीं किया. दरअसल, इस खिलाड़ी को टीम इंडिया के स्क्वाड से रिलीज कर दिया गया है.

टीम इंडिया से बाहर किया गया ये खिलाड़ी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम से रिलीज कर दिया गया है. हर्षित ने टीम के साथ बर्मिंघम के लिए यात्रा

नहीं की, जहां दूसरा टेस्ट मैच खेला जाना है. बता दें, हर्षित राणा शुरुआत में भारतीय टीम के स्क्वाड का हिस्सा नहीं थे. वह इंडिया ए के साथ इंग्लैंड के दौरे पर खेलने गए थे. लेकिन सीनियर टीम की सीरीज के शुरुआती मैच से पहले उन्हें स्क्वाड में शामिल किया गया था. बीसीसीआई ने तब अपडेट दिया था कि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट के लिए हर्षित राणा को भारतीय

हर्षित राणा का क्रिकेट करियर

हर्षित राणा ने भारत के लिए अभी तक 2 टेस्ट, 5 वनडे और 1 टी20 मैच खेला है. खास बात ये भी है कि उन्हें 6 महीने के अंदर तीनों फॉर्मेट में डेब्यू करने का मौका मिला. वह पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया का हिस्सा थे और इसी दौरे पर उन्होंने डेब्यू किया था. वहीं, इंग्लैंड दौरे पर वह इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ पहले अनीपचारिक टेस्ट में खेलने उतरे थे. जहां उन्होंने 99 रन देकर केवल एक विकेट हासिल किया था. इसके बाद उन्होंने सीनियर टीम के साथ इंग्लैंड में ही रोक लिया गया था.

टीम में शामिल किया है. यानी हर्षित को सिर्फ 1 मैच के लिए ही टीम इंडिया में जगह मिली थी. लेकिन उन्हें लीड्स टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला और अब वह टीम से अलग हो गए हैं. हालांकि, हर्षित को रिलीज करने को लेकर बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

लंडन. इंग्लैंड में भारतीय टीम की शुरुआत हार के साथ हो गई है. लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 5 शतक लगाने के बावजूद टीम इंडिया को 5 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 में ये किसी भी टीम की पहली हार है. 17 से डब्ल्यूटीसी 2025-27 की शुरुआत हो चुकी है और भारत ने अपने अभियान की शुरुआत हार के साथ की है. लीड्स टेस्ट में भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे. इसकी वजह से भारतीय टीम 371 रन के लक्ष्य को डिफेंड नहीं कर पाई. पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह दूसरी पारी में कोई विकेट नहीं ले पाए. अब हेड कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर एक बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया है. उन्होंने बुमराह के दो टेस्ट मैचों में टीम से बाहर रहने पर बड़ा खुलासा किया है.

गौतम गंभीर ने क्या कहा ?
: लीड्स टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे. उन्होंने कहा कि ये फैसला सीरीज



शुरू होने से पहले ही लिया गया था और स्कोरलाइन के कारण इसमें कोई बदलाव नहीं होगा. गंभीर ने कहा, “बुमराह कौन से दो मैच खेलेंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस सीरीज में वो कुल तीन मैच ही खेलेंगे.

हम उन पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहते हैं. इससे पहले प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कप्तान शुभमन गिल ने भी बुमराह को लेकर इसी तरह की बात कही. उन्होंने कहा कि ये हर मैच के हिसाब से तय होता है. जब हम लंबे ब्रेक के बाद अगले मैच

के करीब होंगे, तब हम देखेंगे. दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबेस्टन में शुरू होगा. इस टेस्ट मैच में बुमराह खेलेंगे या नहीं इसका फैसला वहां की कंडीशन को देखकर टीम मैनेजमेंट लेगी.

पहली पारी में बुमराह ने झटके थे पांच विकेट

पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट चटकाए थे. इस दौरान अगर उनकी कुछ गेंदों पर कैच नहीं छूटते होते तो उनके विकेटों की संख्या और ज्यादा

होती, लेकिन दूसरी पारी में बुमराह ने टीम को पूरी तरह से निराश किया और कोई विकेट नहीं चटका पाए. इसकी वजह से भारतीय टीम को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. इस टेस्ट मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 471 रन बनाए थे. इसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 465 रनों पर सिमट गई थी. दूसरी पारी में टीम इंडिया 364 रन ही बना सकी. इसके बाद 371 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया

टी20 वर्ल्ड कप 2024 की घटना पर बोले रोहित

नई दिल्ली. भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास लिया था. वह टी20I फॉर्मेट को पहले ही अलविदा कह चुके हैं. रोहित फिलहाल क्रिकेट से ब्रेक पर हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता रहे हैं. इन सब के बीच रोहित शर्मा ने एक मजेदार घटना के बारे में बड़ा खुलासा किया. दरअसल, रोहित ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप की एक घटना के बारे में बात की, जो भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए हाईवोल्टेज मुकाबले से पहले टॉस के दौरान घटी थी.

बाबर के सामने रोहित से क्यों हुई ये गलती?

भारतीय कप्तान अपनी कमजोर याददाश्त के लिए जाने जाते हैं. वह अक्सर चीजों को भूल जाते हैं. ऐसा एक बार नहीं बल्कि कई बार



देखने को मिला है. 2024 टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ भी कुछ ऐसा ही हुआ था. टॉस से पहले रोहित को सिक्का मिल गया था और उन्हें इस सिक्का उछालना था. लेकिन जब टॉस का वक्त आता तो उन्हें ध्यान नहीं रहा कि सिक्का उन्होंने अपनी जेब में रख लिया है

और सिक्का उछालने की बारी आई तो रोहित ने सिक्के के लिए रेफरी की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन तभी उन्हें याद आया कि सिक्का तो उनकी ही जेब में रखा है.

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था. रोहित शर्मा ने हाल ही में एक

इंटरव्यू दिया. इस दौरान जब उनसे इस घटना के बारे में पूछा गया तो रोहित ने मजेदार जवाब दिया. रोहित ने कहा कि मैं आपको बताता हूं कि आखिर उस दिन क्या हुआ था. रवि शास्त्री काफी जोश में थे. रवी शास्त्री को देखिए वह कह रहे हैं कि नीले रंग में, रोहित शर्मा पंच करने के लिए

अब एक्शन में नजर आएं रोहित शर्मा ?
टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, लेकिन रोहित शर्मा इसका हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि इस दौरे पर सिर्फ टेस्ट मैच खेले जाते हैं और रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में नजर आएंगे. बता दें, टीम इंडिया को अगली वनडे सीरीज अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है. ऐसे में रोहित शर्मा इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

तैयार. हरे रंग में, काउंटर-पंच करने के लिए बाबर तैयार हैं. मैदान पर बहुत कुछ हो रहा था और रवी शास्त्री एनर्जी की वजह से मैं सिक्का भूल गया था. रोहित का ये मजेदार इंटरव्यू फैस काफी पसंद कर रहे हैं.

एमएलसी 2025: टेक्सास सुपर किंग्स की धमाकेदार जीत

डलास. टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 15वें मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स को 52 रन से हराया। टीम की जीत में शुभम रांगणे का अहम योगदान रहा, जिन्होंने ताबड़तोड़ 70 रन की पारी खेली। शुभम का जन्म 26 मार्च 1994 को महाराष्ट्र में हुआ। क्रिकेट उनके खून में है। इस ऑलराउंडर के पिता सुभाष महाराष्ट्र के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व भी किया है। वहीं, दादा वसंत रांगणे भी एक ऑलराउंडर रहे, जिन्होंने भारत के लिए सात टेस्ट खेले।

शुभम रांगणे को आईपीएल-2019 में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था, लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका। साल 2016 में मुंबई के लिए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू करने

वाले शुभम 15 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं। यह सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की चौथी जीत रही। शुरुआती तीन मैच जीतने के बाद इस टीम को लगातार दो हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, दूसरी ओर लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स सीजन का अपना चौथा मैच गंवा बैठी है। इस टीम ने हार की हैट्रिक लगाने के बाद एक जीत दर्ज की, लेकिन इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। डलास में खेले गए मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास की टीम ने आठ विकेट गंवाकर 196 रन बनाए। टीम 33 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद शुभम रांगणे ने समित पेटल के साथ टीम को संभालने की कोशिश की। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी हुई।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बड़ा उलटफेर, डकेट और पंत को फायदा

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बुधवार को टेस्ट की ताज़ा रैंकिंग जारी कर दी है। लीड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वहीं, भारत के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी फायदा हुआ है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट नंबर एक बल्लेबाजों के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखे हुए हैं।

बेन डकेट की छलांग : बेन डकेट ने लीड्स टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। पहली पारी में अर्धशतक और दूसरी पारी में शानदार शतक की बदौलत डकेट ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाई है। 13वें स्थान से अब वे 787 रैंकिंग



पॉइंट्स के साथ आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। डकेट की इस पारी ने न केवल इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई, बल्कि उनकी रैंकिंग में भी जबरदस्त सुधार किया। डकेट ने पहली पारी में 62 और दूसरी पारी में 149 रन की पारी खेली थी।

ऋषभ पंत का जलवा :

ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उनके इस विस्फोटक प्रदर्शन का इनाम उन्हें आईसीसी रैंकिंग में मिला है। पंत ने एक स्थान ऊपर खिसाकर 801 रैंकिंग पॉइंट्स के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। लीड्स टेस्ट की पहली पारी में उनके बल्ले से 134 और दूसरी पारी में 118 रन निकले थे।

जो रूट शीर्ष पर कायम : इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 889 रैंकिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनकी निरंतरता और तकनीक उन्हें इस स्थान पर बनाए रखे हुए है। रूट के बाद उनके हमवतन हैरी ब्रूक 874 रैंकिंग के साथ दूसरे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 851 रैंकिंग के साथ तीसरे, भारत के यशस्वी जायसम्वर 851 रैंकिंग के साथ चौथे और ऑस्ट्रेलिया के

स्टीव स्मिथ 824 रैंकिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 806 रैंकिंग के साथ छठे स्थान पर काबिज हैं। टॉप-6 बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

टॉप-10 में भारत के पंत और यशस्वी सिर्फ दो बल्लेबाज हैं। 9वें स्थान पर 784 रैंकिंग के सा श्रीलंका के कामेंदु मंडिस हैं। उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं 10वें स्थान पर पाकिस्तान के सादर शकील हैं। उन्हें भी दो स्थान का नुकसान हुआ है। शकील के 739 रैंकिंग अंक हैं।

शुभमन गिल ने भी लगाई उछाल भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शानदार प्रदर्शन के दम पर पांच स्थान की उछाल लगाई है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 147 रनों की पारी खेली थी। इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 24वें से 19वें स्थान पर पहुंचा दिया, जिसमें उनकी रैंकिंग अब 669 पॉइंट्स हो गई है।

हरवंश सिंह पंगालिया का धमाका

9वें नंबर पर ठोका नाबाद शतक



नई दिल्ली. कहते हैं जैसी संगति, वैसा असर. अब दोस्ती ही अगर किसी की वैभव सूर्यवंशी के साथ हो, तो वो तो छक्के मारेगा ही. हम बात कर रहे हैं 9वें नंबर पर उतरकर अपनी बल्लेबाजी का बेखोफ जौहर दिखाने वाले बल्लेबाज हरवंश सिंह पंगालिया की. 18 साल के इस बल्लेबाज ने 9वें नंबर पर खेलते हुए 9 छक्के मारे. इतना ही नहीं शतक भी जमाया. हरवंश सिंह की वैभव सूर्यवंशी से दोस्ती तो है ही तगड़ी लेकिन वो खेलते भी उन्हीं के जैसे कमाल हैं. अपने उसी लाजवाब खेल का टेलर उन्होंने नाबाद शतकीय पारी के दौरान दिखाया है.

9वें नंबर पर हरवंश ने मारे 9 छक्के

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वैभव सूर्यवंशी के दोस्त हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर शतक ठोका कहां? ऐसा उन्होंने इंग्लैंड में ही किया है. दरअसल, भारत की सीनियर टीम के साथ उसकी अंडर 19 टीम भी इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है. भारत की अंडर 19 टीम को 27 जून से 5 मैचों की वनडे सीरीज इंग्लैंड से खेलनी है. उससे पहले 24 जून को एक प्रैक्टिस मैच खेला गया, जिसमें हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर

उतरकर दनादन 9 छक्के बरसाए हैं और शतक जड़ा है.

वैभव सूर्यवंशी नहीं तो हरवंश सिंह हैं ना!

हरवंश सिंह ने 9वें नंबर पर उतरकर जिस मैच में शतक जड़ा, उसमें वैभव सूर्यवंशी भी खेल रहे थे. मगर ओपनिंग करने उतरे वैभव 130 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 13 गेंदों पर 1 छक्के के साथ सिर्फ 17 रन ही बना सके. वैभव के आउट होने के बाद देखते ही देखते ऊपर के 2-3 और बल्लेबाज आउट हो गए. मगर नीचले ऑर्डर में राहुल, कनिक और सबसे बढ़कर हरवंश सिंह ने जो किया, उसके बाद भारत की अंडर 19 टीम ने 50 ओवर में 444 रन का स्कोर खड़ा किया.

करीब 200 की स्ट्राइक रेट से नाबाद शतक

हरवंश सिंह ने करीब 200 की स्ट्राइक रेट से नाबाद शतक जड़ा. उन्होंने 9वें नंबर पर खेलते हुए 198.07 की स्ट्राइक रेट से 52 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के के अलावा 8 चौके शामिल रहे. अब ये हरवंश सिंह वाकई में लोअर ऑर्डर के खिलाड़ी हैं, या सिर्फ इस प्रैक्टिस मैच में इतने नीचे खेलने उतरे. जब हमने इस बारे में जाना तो पाया कि वो लोअर नहीं बल्कि मिडिल ऑर्डर के माहिर खिलाड़ी हैं. वो भारत की अंडर 19 टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं.

खुब दिखती है वैभव और हरिवंश की दोस्ती ?

वैभव सूर्यवंशी और हरवंश सिंह में दोस्ती तगड़ी है. वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड पहुंचने के बाद की बस में सफर करते तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो और हरवंश एक ही जगह बैठे थे. इसके अलावा दोनों एक दूसरे को सोशल मीडिया पर भी फॉलो करते हैं.

राफेल जेट के लिए भारत में नए मैसेनैस सेंटर की स्थापना

हैदराबाद.

भारत में डिफेंस और एयरोस्पेस क्षेत्र में एक नया इतिहास लिखा जा रहा है. फ्रांस की मशहूर कंपनी सफरन एयरक्राफ्ट इंजनस ने हैदराबाद में राफेल फाइटर जेट के एम88 इंजन के लिए एक नई मैसेनैस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा स्थापित करने की घोषणा की है. यह फ्रांस के बाहर एम 88 इंजन मॉड्यूल के रखरखाव के लिए पहली साइट होगी. जो भारतीय वायुसेना सहित पूरी दुनिया के प्राहकों की जरूरतों को पूरा करेगी. यह कदम भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति में एक बड़ा कदम होगा. सफरन की हैदराबाद में नई एमआरओ सुविधा भारत के लिए एक रणनीतिक जीत है. यह सेंटर सालाना 600 से अधिक M88 मॉड्यूलस की मरम्मत करेगा और 2040 तक 150 नौकरियां पैदा करेगा. यह न केवल भारतीय वायुसेना के राफेल जेट्स के रखरखाव को आसान बनाएगा, बल्कि अन्य राफेल ऑपरेटर देशों के लिए भी एक भरोसेमंद मैसेनैस बेस बनेगा. ये भारत की 'भैक इन इंडिया'



पहल को बढ़ावा देगा और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा. **भारत के एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की ताकत को बढ़ाएगी:** ब्रूनो : सफरन के मिलिट्री इंजन के कार्यकारी उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ ब्रूनो ने कहा कि 'हैदराबाद में एम88 के लिए यह पहली विदेशी एमआरओ सुविधा भारत के एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की ताकत को बढ़ाएगी. यह वैश्विक एम88 ऑपरेटरों के लिए एक विश्वस्तरीय इकोसिस्टम विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.'

क्या है एम88 इंजन की खासियत ? ; एम88 इंजन, जिसे फ्रांस की कंपनी सफरन ने डेवलप किया है. यह एक एडवांस टर्बोफैन इंजन है. इसे राफेल

फाइटर जेट का दिल माना जाता है. इसकी कुछ खास विशेषताएं हैं: पावरफुल थ्रस्ट: एम88-2 इंजन प्रत्येक 16,850 पाउंड-फोर्स थ्रस्ट देता है. जो आपटरबर्नर के साथ और बढ़ जाता है. हाल ही में पेरिस एयर शो में सफरन ने एम88 टी-रेक्स वैरिएंट पेश किया. जो 9 टन थ्रस्ट पैदा करता है, जिससे राफेल की स्पीड और परफॉर्मंस और अधिक बढ़ जाती है.

लो प्यूल डिमांड: यह इंजन सभी उड़ान स्थितियों में लो प्यूल यूज करता है, जिससे राफेल लंबी दूरी तक उड़ान भर सकता है. सामान्य क्लूजिंग में यह प्रति घंटे 2,500 लीटर और तीव्र युद्धाभ्यास में 9,000 लीटर प्यूल जलाता है. कॉम्पैक्ट और लाइट

वेट: एम88 का डिजाइन हल्का और हाई थ्रस्ट-टू-वेट अनुपात वाला है. जो राफेल को तेज गति और बेहतर युद्धाभ्यास क्षमता देता है. लॉग लाइफ: इस इंजन की लंबी आयु और कम रखरखाव लागत इसे और अधिक भरोसेमंद बनाती है.

एम88 इंजन राफेल की ताकत कैसे बढ़ाएगा ? : राफेल फाइटर जेट, जो भारतीय वायुसेना और नौसेना की रीढ़ है. एम88 इंजन की बदौलत अपनी शानदार क्षमताओं के लिए जाना जाता है. यह इंजन राफेल को कई तरह से ताकतवर बनाता है: हाई स्पीड और रेंज: एम88 इंजन राफेल को 2,222 किमी/घंटे की अधिकतम गति तक ले जाता है. इसकी 3,700 किमी की रेंज मिड-प्यर रिफ्यूलिंग के साथ और बढ़ सकती है.

मल्टीरोल कैपिस्टिटी: एम88 की शक्ति राफेल को हवा से हवा, हवा से जमीन, और जहाज-रोधी हमलों में सक्षम बनाती है. यह 9 टन तक हथियार ले जा सकता है. एडवांस टी-रेक्स वैरिएंट: नया एम 88 टी-रेक्स इंजन 20% अधिक थ्रस्ट देता है, जिससे भविष्य के राफेल

एफ5 मॉडल की गति, हथियार क्षमता और युद्धकुशलता बढ़ेगी. बेहतर युद्धाभ्यास: इसका हल्का डिजाइन और हाई थ्रस्ट राफेल को तीव्र युद्धाभ्यास में बेहतर बनाता है, जिससे यह डॉगफाइट और सर्विकल स्ट्राइक में माहिर है.

भारत के लिए इसका महत्व : यह एमआरओ सेंटर भारत की रक्षा तैयारियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा. राफेल के एम88 इंजन की स्थानीय मरम्मत और रखरखाव से समय और लागत की बचत होगी. साथ ही यह भारत को रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. भविष्य में एएनसीए और तेजस एमके2 जैसे स्वदेशी जेट्स के लिए एम88-4 जैसे एडवांस इंजनों का साथ में विकास भी संभव हो सकता है.

हैदराबाद का नया एमआरओ सेंटर और एम88 इंजन की एडवांस तकनीक राफेल फाइटर जेट को और शक्तिशाली बनाएंगी. यह भारत की हवाई और समुद्री ताकत को बढ़ाएगा, जिससे देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करेगा.

हाई कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर सुनाया कड़ा फैसला > तहसीलदार की सैलरी से जुर्माना काटने का आदेश

भुबनेश्वर.

ओडिशा हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के बुलडोजरों एक्शन के खिलाफ सख्त कदम उठाया है. हाई कोर्ट ने ओडिशा सरकार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने और 2 लाख रुपये तहसीलदार की सैलरी से काटे का फैसला सुनाया. कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर से न्याय का पैटर्न बहुत ही परेशान करने वाली बात है. बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही सख्त दिशा-निर्देश लागू किया है.

ओडिशा उच्च न्यायालय ने सरकार को मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है. कुल 82 लाख रु तक मुआवजा की राशि निश्चित की गयी है. तोड़फोड़ का आदेश देने वाले तहसीलदार पर भी जुर्माना लगाया गया है. आरोपी तहसीलदाह के वेतन से दो लाख रुपये काटने का आदेश जारी किया गया है. यह मामला ओडिशा के बालासोर में एक चरागाह भूमि को लेकर शुरू हुआ. वहां 1985 से एक सामुदायिक हॉल है. 1999 के ओडिशा चक्रवात के



बाद इसकी मरम्मत की गई और इसे उपयोग योग्य बनाया गया.

आदेश की अवहेलना से कोर्ट नाराज : 2016-18 में विधायी निधि का उपयोग करके सार्वजनिक उपयोग के लिए इसका नवीनीकरण किया गया. हालांकि, सत्ता परिवर्तन के बाद सरकार ने इस सामुदायिक भवन को ध्वस्त करने की पहल की. और उस चरागाह भूमि को आवासीय भूमि में बदलने के प्रयास शुरू हो गए. सरकार के इस निर्णय के विरुद्ध मामला दायर किया गया.

उच्च न्यायालय ने 14 दिसंबर 2024 को सरकार के आदेश पर स्थगन आदेश जारी किया. हालांकि, उस आदेश की अवहेलना करते हुए अगले दिन इमारत पर बुलडोजर चला दिया गया. इस घटना से अदालत ने नाराजगी जताई.

बुलडोजर एक्शन के खिलाफ कोर्ट का फैसला : उच्च न्यायालय ने कहा कि सरकार ने इमारत को

तत्काल ध्वस्त करने के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताए हैं. जब न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी कर रखा था तो सरकार ने उस भवन को गिराने का साहस कैसे किया? अदालत ने इस मामले में पीड़िता को 10 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है.

आदेश जारी करने वाले अधिकारी को अपने वेतन से 2 लाख रुपये का जुर्माना और मामले की लागत के लिए 70 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया है. इस घटना में कुल मिलाकर 82 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. देश भर में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ अदालत का यह आदेश निस्संदेह महत्वपूर्ण है. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सख्त दिशा-निर्देश जारी किया था.

बारामती मालेगांव चीनी मिल चुनाव में अजित पवार गुट की जीत

> शरद पवार को बड़ा झटका बारामती.

बारामती के मालेगांव सहकारी चीनी मिल चुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हो रहे हैं. उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाले नीलकंठेश्वर पैनल को जीत की बढ़त मिली है. अजित पवार के पैनल के 21 में से 12 उम्मीदवार जीत गए हैं, जबकि शरद पवार के गुट को बड़ा झटका लगा है और पैनल के सभी उम्मीदवार हार गए हैं.

मालेगांव सहकारी चीनी मिल चुनाव में शरद पवार गुट ने बलिराजा सहकारी मिल बनाया था. इस पैनल का नेतृत्व युगेंद्र पवार कर रहे थे, लेकिन इस पैनल के सभी लोग हार गए हैं. शरद पवार के लिए अपने गृहनागर में यह अब तक का सबसे



बड़ा झटका है. सहकारी चीनी मिल का चुनाव होने के बावजूद महाराष्ट्र की सियासत में यह चुनाव काफी अहम माना जा रहा था, लेकिन फिर से महाराष्ट्र की सियासत में चाचा-भतीजा आमने-सामने थे. और विधानसभा चुनाव के बाद फिर से अजित पवार गुट को जीत मिली है और शरद पवार के गुट को पराजय का सामना करना पड़ा है.

अजित पवार के गुट को मिली बढ़त : बारामती सहकारी चीनी मिल चुनाव में अजित पवार ने नीलकंठेश्वर पैनल बनाया था.

इस पैनल के 21 उम्मीदवारों में से अब तक 12 ने जीत दर्ज की है, जबकि 7 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं, अजित पवार ने इस चुनाव में जीत की बढ़त बना ली है. उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पहले चरण की

मतगणना में 'बी क्लास' समूह से जीत हासिल की है.

चुनावी मैदान में कितने पैनल हैं? : मालेगांव शुगर फैक्ट्री के चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने फैक्ट्री को 500 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद देने का वादा किया था, जिसका असर मतदान में देखने को मिल रहा है. अब तक की स्थिति को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि अजित पवार के पैनल को बड़ी सफलता मिलेगी.

इस चुनाव में चार पैनल मैदान में थे : अजित पवार का नीलकंठेश्वर पैनल, शरद पवार के नेतृत्व वाला बलिराजा सहकार बचाओ पैनल, भाजपा नेता चंद्रवार टाकरे-रंजन टाकरे का सहकार बचाओ शेतकरी पैनल और कष्टरी शेतकरी समिति, और निर्दलीयों का एक पैनल. अब सबकी निगाहें अंतिम नतीजों पर टिकी हैं.

कैबिनेट ने आपातकाल के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया

> पीएम ने की अध्यक्षता नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई. इस बैठक में आपातकाल के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया है. इसके साथ ही कैबिनेट की बैठक में तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगाई गयी. पुणे में मेट्रो विस्तार के लिए मेट्रो लाइन 2 को कैबिनेट की मंजूरी मिली. यह 3626 करोड़ की लागत की परियोजना है. इसके साथ ही झरिया कोल्फील्ड पुनर्वास के लिए 5940 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई. कैबिनेट की बैठक में आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की स्थापना के लिए 111.5 करोड़ की मंजूरी दी गई है.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शुभ्रांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन की सफलता पर कैबिनेट ने दी बधाई. पीएम मोदी ने ही मिशन लॉच की कैबिनेट को दी जानकारी दी.पीएम ने कहा आज बड़ा दिन है, यह बड़ी उपलब्धि है. सभी मंत्रियों ने करतल ध्वनि से बधाई दी. आपातकाल के 50 साल पर कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कैबिनेट की ओर से आपातकाल के खिलाफ पारित प्रस्ताव में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को याद करने और सम्मान देने का संकल्प लिया, जिन्होंने आपातकाल और भारतीय संविधान की भावना को नष्ट करने के उसके प्रयास का बहादुरी से विरोध किया था.



यह विध्वंस 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और सम्पूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के एक कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था. प्रस्ताव में कहा गया कि इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दो मिनट का मौन रखा गया, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिनके संवैधानिक रूप से गारंटीकृत लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिये गए थे और जिन्हें तब अकल्पनीय भयावहता का सामना करना पड़ा था. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल की ज्यादातियों के खिलाफ उनके अनुकरणीय साहस और वीरतापूर्ण प्रतिरोध की सराहना की.

2025 में संविधान हत्या दिवस के 50 साल पूरे : पारित प्रस्ताव में कहा गया कि वर्ष 2025 में संविधान हत्या दिवस के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं – भारत के इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय, जहां संविधान को नष्ट किया गया, भारत के गणतंत्र और लोकतांत्रिक भावना पर हमला किया गया, संघवाद को कमजोर किया गया और मौलिक अधिकारों, मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को निलंबित कर दिया गया. पारित प्रस्ताव में कहा गया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस बात की पुष्टि की कि भारत के लोग भारतीय संविधान और

देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़ता में अटूट विश्वास रखते हैं.

यह युवाओं के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि बुजुर्गों के लिए कि वे उन लोगों से प्रेरणा लें जिन्होंने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और हमारे संविधान और इसके लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े रहे.

प्रस्ताव में कहा गया कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, सुरक्षा और सुरक्षा का एक उदाहरण है. आइए, एक राष्ट्र के रूप में, हम अपने संविधान और इसकी लोकतांत्रिक और संघीय भावना को बनाए रखने के अपने संकल्प को नवीनीकृत करें. **पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मिली मंजूरी :** केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दे दी है, वनज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विठ्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी), जो कि पहले चरण के तहत मौजूदा वनज-रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है. ये दोनों एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित

हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे.

इस परियोजना को चार साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है. अनुमानित परियोजना लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाहरी द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा.

संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मिली मंजूरी : अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट समिति ने झरिया कोल्फील्ड में आग, भूमि धंसाव और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दे दी है. संशोधित योजना के कार्यान्वयन के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 5,940.47 करोड़ रुपये है. चरणबद्ध दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि आग और धंसाव से निपटने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को सबसे अधिक संवेदनशील स्थलों से प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा.

अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की स्थापना को मिली मंजूरी : अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के आगरा, उत्तर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कमाई के बाद प्रबंधन और मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोगाणु सृजन को बढ़ाना है.

Where heritage meets nature

Karnataka

5Nights | 6Days

Mysore | Ooty | Coorg

₹ 21500/- PP

Min-06 Pax

Bengaluru to Bengaluru

BREAKFAST & DINNER

ACOMODATION

SIGHTSEEING

TRANSPORT

83083 78686 | 0712 6663786 | domestic@btpyatra.com

www.btpyatra.com

●●●●●

●●●●●

●●●●●